

XXXVII.

Pès | je | ne | tre| v' e | la | kié|r : e | la | kér | re | je | fui | ki | me | pør | suit
An|tre | l'a|tan| t' e | la | pe|r, an | klă|s' e | flan|me | je | suis.
Sur | le-|sies | je | me|nas| se | vol|lér, | de | la | té|r | re | ne | bø|jant :
J'an| bra|se | tøt | de | vø|lør, | rién | je | n'e| tréin | de | pø|vør.
5 An| pri|zo|nè| je | me | vø| de | se | lui | ki | ne | m'ø|vre | ní | m'an| kløt :
Ní | me | re|tiént | pør | sién, | ní | ne | me | lës| s' a|na|lér.
La|s, A|mø|r e|k| se|ku|té|r | ne | me | fët, | ni | e|las | ne | m'e|lar|jít ;
Las, | ní | me | sø|fre | vi|vant, | ní | me | dø|li|vre | de | moort.
N'e|i| ant | lan|ke | je | krí : | sørd | j'an| tă|n : a| ve|kle | je | vø| tøt
10 Lá | je | ne | ve| ke | pø|rir, | lā | je | de|man|de | se | kørs.
J'é|m' ø|trui : | je | me | hë : | je | me | pë|d'an|køës| se|z e | d'an|nuis.
Loø|ke | je | ri, | je | me | de . | kant | je | m'a|tris|te, | je | ri.
Oo|tant | l'un | ko|me | l'ø|tre | la | moor|t e | la | vî, | j'ë| a|n|cor|rør :
An | te|l e|tat | pør | vøs | Be|le | re|bø|le | je | suis ·><·